117 महिला लीडर्स के पास करोड़ों की संपत्ति

हुरुन इंडिया वुमन लीडर्स 2026 रिपोर्ट में 84% महिलाएं सेल्फ-मेड, रोशनी नादर सबसे बड़ी वेल्थ मल्टीप्लायर

नई दिल्ली, 31 जुलाई भारत में महिलाओं का नेतृत्व अब सिर्फ कारोबार और समाज तक सीमित नहीं है, बल्कि वे संपत्ति और सफलता के नए कीर्तिमान भी स्थापित कर रही हैं. कैंडेरे हुरुन इंडिया वुमन लीडर्स 2026 रिपोर्ट के अनुसार, देश की 117 प्रभावशाली महिला लीडर्स के पास कुल 39 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति है.

इनमें 84 प्रतिशत महिलाओं ने यह मुकाम अपनी मेहनत और उद्यमिता के दम पर हासिल किया है, जो भारत में महिला नेतृत्व और आर्थिक सशक्तिकरण की मजबूत तस्वीर पेश करता है. हुरुन इंडिया वुमन लीडर्स 2026 रिपोर्ट के मुताबिक, इस वर्ष प्रभावशाली महिला लीडर्स की संख्या बढ़कर 117 हो गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक है. इन महिलाओं की कुल संपत्ति 39 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है, जो फिनलैंड की अनुमानित जीडीपी से भी अधिक है.

लेखिका सुधा मूर्ति, उद्यमी अनन्या बिरला, पत्रकार फे डिसूजा, पैरा ओलंपिक पदक विजेता अवनि लेखरा और अन्य कई महिलाओं ने अपनी-अपनी श्रेणियों में स्थान बनाया है. शहरों की बात करें तो मुंबई 26 महिला लीडर्स के साथ पहले स्थान पर है. दिल्ली में 21, बेंगलुरु में 16, गुरुग्राम में 6 और पुणे में 5 प्रभावशाली महिलाओं ने सूची में जगह बनाई है. रिपोर्ट यह भी बताती है कि 33 महिलाओं ने अपने करियर के लिए दूसरे राज्यों का रुख किया, जबकि दो महिलाओं ने विदेश जाकर अपनी पहचान बनाई.

रिपोर्ट के अनुसार, सूची में शामिल 98 महिलाएं (84%) सेल्फ-मेड हैं, यानी उन्होंने अपनी सफलता विरासत के बजाय अपने प्रयासों से हासिल की है. रिपोर्ट में 12 अलग-अलग श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को शामिल किया गया है. रोशनी नादर मल्होत्रा वेल्थ मल्टीप्लायर श्रेणी में शीर्ष पर हैं, जिनकी संपत्ति 2.84 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है.

ई-वे बिल के नए नियम फिलहाल टले, कारोबारियों को राहत

नई दिल्ली, 31 जुलाई वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत ई-वे बिल व्यवस्था में 1 अगस्त से लागू होने वाले दो महत्वपूर्ण बदलाव फिलहाल टाल दिए गए हैं. उद्योग जगत से मिले सुझावों और तकनीकी चुनौतियों को देखते हुए जीएसटी नेटवर्क ने इन प्रस्तावित नियमों को स्थगित करने का फैसला लिया है. इससे व्यापारियों और परिवहन क्षेत्र को तत्काल राहत मिली है तथा फिलहाल ई-वे बिल की मौजूदा व्यवस्था पहले की तरह जारी रहेगी.जीएसटी नेटवर्क ने उद्योग जगत से मिले फीडबैक के बाद ई-वे बिल प्रणाली में प्रस्तावित दो बदलावों को फिलहाल लागू नहीं करने का निर्णय लिया है. ये दोनों नियम 1 अगस्त 2026 से लागू होने वाले थे.

आईटीआर डेडलाइन पर कन्फ्यूजन खत्म

इस बार सभी टैक्सपेयर्स के लिए एक जैसी डेडलाइन नहीं

आय के स्रोत और आईटीआर फॉर्म के आधार पर अलग अंतिम तिथियां

नयी दिल्ली, 31 जुलाई इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख को लेकर इस बार बड़ी संख्या में करदाता असमंजस में हैं. कई लोगों को अब भी लगता है कि 31 जुलाई ही सभी के लिए आखिरी तारीख है, जबकि नए नियमों के तहत अलग-अलग श्रेणी के करदाताओं के लिए अलग-अलग अंतिम तिथियां तय की गई हैं.

पटना के चार्टर्ड अकाउंटेंट अभिषेक मिश्रा ने स्पष्ट किया है कि आईटीआर की डेडलाइन करदाता की आय के स्रोत और संबंधित आईटीआर फॉर्म के अनुसार

निर्धारित होगी. ऐसे में रिटर्न दाखिल करने से पहले अपनी श्रेणी की पुष्टि करना जरूरी है. सीए अभिषेक मिश्रा के अनुसार, इस बार आयकर विभाग ने विभिन्न श्रेणियों के करदाताओं के लिए अलग-अलग अंतिम तिथियां तय की हैं. जिन लोगों की आय मुख्य रूप से वेतन, पेंशन या मकान किराये से होती है और जो आईटीआर-1 या आईटीआर-2 भरते हैं, उनके लिए अंतिम तिथि 31 जुलाई है. वहीं, व्यवसाय से आय अर्जित करने वाले करदाताओं के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त निर्धारित की गई है. जिन कारोबारियों के खातों का ऑडिट अनिवार्य है, उनके लिए 31 अक्टूबर तक रिटर्न दाखिल किया जा सकता है. ट्रांसफर प्राइसिंग से जुड़े मामलों में अंतिम तिथि 30 नवंबर तय की गई है.

यदि कोई करदाता निर्धारित समय सीमा के भीतर आईटीआर दाखिल नहीं कर पाता है, तो वह 31 दिसंबर तक बिलेटेड रिटर्न दाखिल कर सकता है. हालांकि, इसके लिए आयकर नियमों के अनुसार लेट फीस देनी होगी. कुल आय 5 लाख रुपये से अधिक होने पर अधिकतम 5,000 रुपये और 5 लाख रुपये या उससे कम आय होने पर 1,000 रुपये तक की लेट फीस लागू होगी.

एप्पल ने तीसरी तिमाही में बनाया कमाई का नया रिकॉर्ड

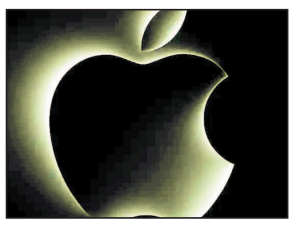

नयी दिल्ली, 31 जुलाई अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी एप्पल ने भारत समेत सभी बाजारों में राजस्व का तीसरी तिमाही का नया रिकॉर्ड बनाया है.

कंपनी ने गुरुवार को कैलिफोर्निया के क्यूपर्टिनो में इस साल 27 जून को समाप्त तिमाही के वित्तीय परिणामों की घोषणा की. इस दौरान 109.4 अरब डॉलर का राजस्व दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है. सकल लाभ मार्जिन 50.1 प्रतिशत रहा. प्रति शेयर आय 2.02 डॉलर रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में 29 प्रतिशत अधिक है.

एप्पल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टिम कुक ने परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बताया कि कंपनी ने सभी भौगोलिक क्षेत्रों में जून तिमाही के लिए राजस्व का नया कीर्तिमान स्थापित किया है. इनमें लातिन अमेरिका, पश्चिमी यूरोप, भारत, चीन, जापान और दक्षिण-पूर्व एशिया शामिल हैं. उन्होंने विकसित और उभरते हुए बाजारों में समान रूप से नया रिकॉर्ड बनाने पर खुशी जाहिर की. एप्पल के निदेशक मंडल ने प्रति इक्विटी शेयर 0.27 डॉलर नकद लाभांश घोषित किया है.

बढ़त के साथ खुले शेयर बाजार

मुंबई, 31 जुलाई घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में तेजी रही, हालांकि आईटी और एफएमसीजी सेक्टरों में बिकवाली चल रही है. बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 70.51 अंक की मजबूती के साथ 77,998.66 अंक पर खुला. कुछ देर के लिए यह लाल निशान में भी उतरा, लेकिन फिर वापसी करता हुआ खबर लिखे जाते समय यह 10.31 अंक (0.01 प्रतिशत) ऊपर 77,938.46 अंक पर रहा. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 44.30 अंक की तेजी के साथ 24,361.45 अंक पर खुला. खबर लिखे जाते समय यह 20.45 अंक यानी 0.08 प्रतिशत की बढ़त में 24,337.60 अंक पर था. वृहत बाजार में तेजी बनी हुई है.

कम उम्र में जीवन बीमा खरीदना सबसे बेहतर वित्तीय फैसला क्यों है?

मुंबई, 31 जुलाई. श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ, श्री कैस्परुस जे.एच. क्रॉमहाउट जीवन बीमा वह विषय नहीं जिस पर लोग सुबह की चाय या कॉफी के साथ सोचते हों. आमतौर पर यह बात तब ध्यान में आती है जब जीवन में शांत या गंभीर पल सामने आते हैं. जैसे परिवार का कोई सदस्य अस्पताल में भर्ती हो जाए, किसी दोस्त के घर बच्चा हो जाए, या कोई वित्तीय फॉर्म भरते समय निवेश की जानकारी देनी हो.

ऐसे समय आप ठहरकर सोच सकते हैं, 'क्या मैं जीवन बीमा लेने के लिए अभी बहुत छोटा हूं? लेकिन सच यह है कि जीवन बीमा लेने का सबसे अच्छा समय वही है जब यह आप जरूरत महसूस होने से पहले ही इसे ले लें. क्योंकि तब

कैस्परुस जे.एच. क्रॉमहाउट
श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ

यह सबसे सस्ता होता है. प्रीमियम भी कम देना पड़ता है. हालांकि कम प्रीमियम के अलावा भी कम उम्र में बीमा लेने के कई फायदे हैं.

भारत की युवा पॉलिसी दस्तावेज के अनुसार, देश की 37.14% आबादी 15 से 29 वर्ष के आयु वर्ग की है. यह कुल आबादी का 27.3% है. यह आर्थिक रूप से सक्रिय लोगों का एक बड़ा हिस्सा है. इसके बावजूद भारत में जीवन बीमा की पहुंच अभी भी कम है. अलबत्ता यह कम हो रही है. यह वित्त वर्ष 2023 में 3% से घटकर वित्त वर्ष 2024 में 2.8% रह गई. इसका मतलब है कि देश के युवाओं का बड़ा हिस्सा अब भी कम बीमित या बिना बीमा के है. इस अंतर की एक वजह यह है कि लोग जीवन बीमा को सुरक्षा के साधन के बजाय बचत के प्रॉडक्ट के रूप में देखते हैं. यह धारणा भी है कि जीवन बीमा सिर्फ बुजुर्गों के लिए होता है और इसे 'बाद में' लिया जा सकता है. आम तौर पर लोग शादी, घर खरीदने या बच्चे होने जैसे अवसरों पर बीमा लेने का सोचते हैं. आज की युवा पीढ़ी इन फैसलों को भी देर से ले रही है. इसलिए उन्हें इसकी तुरंत जरूरत महसूस नहीं होती. लेकिन जीवन बीमा सिर्फ कम उम्र में एक समझदारी भरा फैसला ही नहीं है, बल्कि यह आपके लंबे समय के वित्तीय नियोजन में बड़ा बदलाव ला सकता है.

कम प्रीमियम को लंबे समय के लिए लॉक करना- जीवन बीमा का प्रीमियम आपकी उम्र और स्वास्थ्य पर निर्भर करता है. कम उम्र में आप कम जोखिम वाले ग्राहक माने जाते हैं क्योंकि आप अपेक्षाकृत स्वस्थ होते हैं. इससे कम प्रीमियम पर ज्यादा लाभ मिलता है और पॉलिसी की मंजूरी भी आसान हो जाती है.

कैश वैल्यू के जरिए लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण- कुछ जीवन बीमा योजनाएं, जैसे एंडोमेंट प्लान या यूलिप, बचत या निवेश का हिस्सा भी रखती हैं. इससे समय के साथ नकद मूल्य बनता है.

कर्ज प्रबंधन में मदद

कम उम्र में ली गई जीवन बीमा पॉलिसी सिर्फ सुरक्षा ही नहीं देती, बल्कि भविष्य में कर्ज प्रबंधन का साधन भी बन सकती है. अनिवार्य लॉक-इन अवधि पूरी होने के बाद कुछ पॉलिसियों, जैसे एंडोमेंट प्लान और यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान के खिलाफ सरेंडर वैल्यू पर लोन लिया जा सकता है. पॉलिसी के प्रकार और सरेंडर वैल्यू के अनुसार लोन आमतौर पर 50% से 90% तक मिल सकता है. इससे बिना निवेश तोड़े तुरंत धन की व्यवस्था हो जाती है. साथ ही इसमें तेज मंजूरी, कम ब्याज दर और लचीला भुगतान जैसे फायदे मिलते हैं. इस तरह यह आपात स्थितियों में एक अहम वित्तीय सहारा बनता है और परिवार की दीर्घकालिक सुरक्षा भी बनी रहती है.

आरईसी-पीएफसी का मेजा परियोजना से समझौता

नई दिल्ली, 31 जुलाई आरईसी लिमिटेड और पीएफसी लिमिटेड, विद्युत मंत्रालय के तहत महारत्न सीपीएसई और प्रमुख आधारभूत संरचना वित्तपोषण एनबीएफसी, ने मेजा ऊर्जा निगम प्राइवेट लिमिटेड (एमयूएनपीएल) के साथ सामान्य ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जो एनटीपीसी लिमिटेड और उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के बीच 50:50 संयुक्त उद्यम है.

इस समझौते के तहत कुल 26,850 करोड़ रुपये का ऋण मिलेगा. यह उत्तर प्रदेश के

प्रयागराज जिले के मेजा तहसील में एयर कूल्ड कंडेनसर (एसीसी) प्रणाली के साथ स्टेज-I (3×800 मेगावाट) के तहत 800 मेगावाट की 2400 मेगावाट की मेजा टीपीपी स्टेज-II अल्ट्रा-सुपर क्रिटिकल इकाइयों की स्थापना के लिए दिया जाएगा, जिसकी अनुमानित परियोजना पूर्णता लागत 38,357.81 करोड़ रुपये हऋण दस्तावेजों पर प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में एमयूएनपीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री श्रीनिवास राव गद्दामनुगु, आरईसी क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ के मुख्य महाप्रबंधक शंभू शंकर गुप्ता और पीएफसी की जीएम सुश्री शैली गुप्ता ने एमयूएनपीएल के मुख्य वित्तीय अधिकारी श्री अंशु बरुआ, पीएफसी के कार्यकारी निदेशक श्री एच. के. दास और आरईसी के कार्यकारी निदेशक डी. बी. लोंधे की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए. प्रस्तावित 3×800 मेजा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट (स्टेज II) एक साथ कई फायदे लेकर आएगा.

यह उत्तर प्रदेश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा, घरों, खेतों और उद्योगों के लिए भरोसेमंद बिजली सुनिश्चित करेगा और राज्य के बड़े विकास लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करेगा.

वंदे भारत से पहुंचा जीवित हृदय पहली बार

भारतीय रेल ने रचा इतिहास, यू.एन. मेहता इंस्टीट्यूट में होगा प्रत्यारोपण

अहमदाबाद, 31 जुलाई. भारतीय रेल ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए पहली बार वंदे भारत एक्सप्रेस के माध्यम से जीवित हृदय का सफलतापूर्वक परिवहन किया.

सूरत से अहमदाबाद तक हृदय को ट्रेन संख्या 20901 मुंबई सेंट्रल-गांधीनगर कैपिटल वंदे भारत एक्सप्रेस से सुरक्षित एवं निर्धारित समय में पहुंचाया गया. इस हृदय का प्रत्यारोपण यू.एन. मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर, अहमदाबाद में किया जाएगा. यह अत्यंत संवेदनशील और समयबद्ध जीवनरक्षक अभियान भारतीय रेल, गुजरात

राज्य पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल तथा चिकित्सा टीमों के बीच उत्कृष्ट समन्वय का उदाहरण रहा. हृदय को अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 से यू.एन. मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर तक सुरक्षित एवं निर्बाध रूप से पहुंचाने के लिए और गुजरात राज्य पुलिस द्वारा ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया.

इसके माध्यम से अंग को निर्धारित समयसीमा के भीतर अस्पताल पहुंचाया गया, ताकि प्रत्यारोपण प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी न हो. मंडल रेल प्रबंधक, अहमदाबाद, श्री वेद प्रकाश ने कहा, 'यह भारतीय रेल के लिए अत्यंत गर्व और संतोष का क्षण है कि वंदे भारत एक्सप्रेस के माध्यम से एक जीवित हृदय को सूरत से अहमदाबाद तक सुरक्षित और समयबद्ध तरीके से पहुंचाया गया. ऐसे जीवनरक्षक मिशन में समय का प्रत्येक क्षण महत्वपूर्ण होता है.

समाचार विशेष

कुलदीप माइती को बीजेपी ने दी बड़ी जिम्मेदारी

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में होने वाले आगामी राज्यसभा उपचुनाव को लेकर राजनीति तेज हो गई है. बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी इस समय कई सीट को लेकर भाजपा कोर टीम के साथ बैठक कर रहे हैं. हाल में 4 टीएमसी राज्यसभा सांसद इस्तीफा दे चुके हैं. ये सांसद भाजपा जॉइन कर उच्च सदन पहुंच चुके हैं.

चौथी सीट को लेकर राजनीति गहमागहमी तेज हो गई है दिसंबर 2026 तक कई सीट पर उपचुनाव होने की संभावना है. उपचुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने पूरी ताकत से कमर कस ली है. पार्टी ने ऐलान किया है कि इस चुनाव में कुलदीप माइती अहम भूमिका निभाएंगे. कुलदीप माइती ने कहा कि बंगाल की जनता अब बदलाव चाहती है. टीएमसी की तुष्टिकरण की राजनीति, भ्रष्टाचार और कुशासन से लोग त्रस्त हो चुके हैं. कैग रिपोर्ट ने भी ममता बनर्जी सरकार की पोल खोल दी है. जनता के पैसे की लूट अब और बर्दाश्त नहीं होगी. क्या बोले कुलदीप माइती- कुलदीप माइती ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता घर-घर जाकर केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने का काम करेंगे.

कुलदीप माइती कौन

कुलदीप माइती पूर्वी भारत की प्रमुख माइक्रोफाइनेंस कंपनी वीएसएफ कैपिटल लिमिटेड के एमडी और सीईओ हैं. उन्हें माइक्रोफाइनेंस सेक्टर में एक अनुभवी सोशल एंटरप्रेन्योर के तौर पर जाना जाता है. उनकी अगुवाई में कंपनी ने पूर्वी भारत में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है और वर्तमान में 14 राज्यों में लगभग 280 शाखाओं के माध्यम से चार लाख से अधिक महिला ग्राहकों को वित्तीय सेवाएं प्रदान कर रही है.

परिशिष्ठ IV (नियम 8(1)) **आधिपत्य सूचना** (अचल संपत्ति हेतु)

एडलवाइस एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड

CIN: U67100MH2007PLC174759

रिटेल केन्द्रीय एवं पंजीकृत कार्यालय : एडलवाइस हाउस, ऑफ सी.एस.टी. रोड, कलीना, मुम्बई 400098

जबकि यहाँ उल्लिखित सुरक्षित लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी ने वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन (अधिनियम), 2002 के तहत तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 (नियम 3) के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर नीचे यथा उल्लखित मांग सूचना जारी की थी जिमसें कर्जदार(ओं) से सूचना में उल्लिखित राशि उक्त सूचना प्राप्ति की तारीख से **60 दिनों** के अंदर भुगतान करने के लिए कहा।

इसके बाद, असाईनर संदर्भित ने अधोल्लिखित वित्तीय परिसंपत्तियाँ **एडलवाइस एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड** को स्वयं/अपनी **उल्लेखित विभिन्न ट्रस्ट के ट्रस्टी** की क्षमता से कार्यरत (यहाँ आगे **"ईएआरसी"** कहा गया है) असाइनमेंट एग्रीमेंट के अनुसार सरफासी अधिनियम, 2002 की धारा 5 के तहत एसाइन कर दीं। ईएआरसी असाईनर की भूमिका में आ गया और वित्तीय परिसंपत्तियों के संबंध में विचाराधीन प्रतिभूति हितों, गारंटी, रेहनों सहित असाईनर के सभी अधिकार, हक और हित कर्जदार द्वारा ली गई वित्तीय सहायता के संबंध में **ईएआरसी** को निहित हो गए हैं और **ईएआरसी** प्रत्याभूत लेनदार के रूप में अपने सभी अधिकार प्रयोग करता है।

कर्जदार द्वारा राशि का भुगतान करने में असफल रहने पर एतद्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य को सूचित किया जाता है कि **एडलवाइस एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड** के प्राधिकृत अधिकारी की क्षमता से अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर नीचे वर्णित संपत्ति का **भौतिक कब्जा** संपत्ति के समक्ष उल्लेखित दिनांक को ले लिया है।

उधारकर्ता का ध्यान प्रतिभूत आस्तियों के मोचन के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के उपबंधो की ओर आकृष्ट किया जाता है। विशेष रूप से कर्जदार और सामान्य रूप में सर्वजन को संपत्ति से कोई लेन-देन न करने के लिए आगाह किया जाता है और संपत्ति का कोई भी लेन-देन नीचे उल्लिखित राशि और इस पर ब्याज के लिए **एडलवाइस एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड** के प्रभार के अधीन होगा।

समनुदेशक का नाम	ट्रस्ट का नाम	ऋण खाता नंबर	उधारकर्ता एवं सह-उधारकर्ता(ओं) का नाम	मांग सूचना की राशि एवं सूचना दिनांक	कब्जे की तारीख	कब्जे की स्थिति
पूनावाला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड	EARC TRUST SC-489	HF/0180/H/20/100147	1. कचरूलाल (ऋणी) 2. सुधा कचरूलाल (सह-ऋणी)	रु.19,21,313.87/- (रुपये उन्नीस लाख इक्कीस हज़ार तीन सौ तेरह एवं सत्तासी पैसे मात्र) एवं 21/08/2024 तक	28-07-2026	भौतिक कब्जा

अचल संपत्ति का विवरण:- संपत्ति के समस्त शेष एवं संपूर्ण भाग, प्लॉट/मकान नं.09, सर्वे नं.50 पर, पटवारी हल्का नंबर 74, ग्राम सुल्याखेड़ी, ग्राम पंचायत रामगढ़, तहसील घटिया एवं जिला उज्जैन क्षेत्रफल 2995 वर्ग फीट, उज्जैन मध्य प्रदेश 456006 **चर्तुसीमाएँ:-** पूर्व- दशरथ सिंह का मकान, पश्चिम-कॉमन रोड, उत्तर- रतन सिंह का मकान, दक्षिण- जुझार सिंह का मकान एवं स्वयं का प्लॉट

एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड	EARC TRUST SC-483	1576434 and 2704638	1. मैसर्स. पनवार डेयरी (ऋणी) 2. श्री ईश्वर सिंह राजपूत (सह-ऋणी) 3. श्रीमती रुखमा कुँवर (सह-ऋणी)	रु. 22,09,764.86 (रुपये बाईस लाख नौ हज़ार सात सौ चौंसठ एवं छियासी पैसे मात्र) एवं 21/08/2024 तक	28-07-2026	भौतिक कब्जा

अचल संपत्ति का विवरण: संपत्ति के समस्त शेष एवं संपूर्ण भाग, मकान नं.2 भूमि सर्वे नं.547 का भाग ग्राम उज्जैनिया स्थित तहसील घटिया जिला उज्जैन कुल क्षेत्रफल 1500 वर्ग फीट अथवा 139.40 वर्ग मीटर एवं **चर्तुसीमाएँ:** पूर्व में: श्री कालूसिंह की भूमि, उत्तर में: सरकार द्वारा रोड, पश्चिम में : श्री सजन बाई पिता रामसिंह की भूमि, दक्षिण में : विक्रेता का मकान

स्थान : मुम्बई,
दिनांक : 31-07-2026

प्राधिकृत अधिकारी
एडलवाइस एसेट रिकंस्ट्रक्शन कम्पनी लिमिटेड

Edelweiss Asset Reconstruction

कार्यालय : नगर पालिक निगम, उज्जैन म. प्र.

छत्रपति शिवाजी भवन, कोयला फाटक, उज्जैन Ph:0734-2535229

Website: http://nagarnigamujjain.org / E-mail: nn.ujjain@mpurban.gov.in

क्रमांकः - उ. वि. / 797 | (Online) निविदा विज्ञप्ति | उज्जैन दिनांक :- 29/7/26

निम्नांकित कार्य के लिए प्रपत्र 'अ' (फार्म ए) में प्रतिशत कम या अधिक के आधार पर प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग म.प्र.शासन भोपाल के कार्यालय में पंजीकृत ठेकेदारों से उक्त विभाग में पंजीयन प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करने पर ऑनलाईन (Online) निविदा आंमत्रित की जाती हैं। सिरियल क्र. सिरियल के 01 02 03 आनलाईन क्रय करने की अंतिम दिनांक 25.08.2026 समय 17:30, ऑनलाईन ई.एम.डी. राशि एवं समस्त दस्तावेज Submission करने की अंतिम दिनांक 25.08.2026 समय 17:30 रहेगी।

सिरियल क्र. सिरियल के 04 आनलाईन क्रय करने की अंतिम दिनांक 11.08.2026 समय 17:30, ऑनलाईन ई. एम.डी. राशि एवं समस्त दस्तावेज Submission करने की अंतिम दिनांक 11.08.2026 समय 17:30 रहेगी।

सिरियल क्र. सिरियल के 05 06 07 आनलाईन क्रय करने की अंतिम दिनांक 10.08.2026 समय 17:30, ऑनलाईन ई.एम.डी. राशि एवं समस्त दस्तावेज Submission करने की अंतिम दिनांक 10.08.2026 समय 17:30 रहेगी।

विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। यदि उपरोक्त निविदा में किसी प्रकार का संशोधन होता है तो इसकी सूचना ऑन लाईन दी जावेगी। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नही की जावेगी।

क्र	निविदा विज्ञप्ति क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	नगरिय प्रशासन एवं विकास विभाग म.प्र. भोपाल	अर्नेस्ट मनी रु.	टेंडर फार्म का मूल्य	समय अवधि
1	2	3	4	5	6		7
1	E-Tendering No. 2026_UAD_524339_1	वार्ड क्र. 41 महामंगल सिटी कॉलोनी अंतर्गत बड़े बगीचे का विभिन्न विकास कार्य एवं	37,03,546/-	UADD & NON SOR	27,780/-	5000/-	90 दिन
2	E-Tendering No. 2026_UAD_524329_1	वार्ड क्रं 52 अंतर्गत कोठी रोड़ कार्नर पर शेष बचा	5548860/-	UADD NON SOR	41,620/-	10000/-	90 दिन
3	E-Tendering No. 2026_UAD_524588_1	झोन क्रं 06 अंतर्गत उद्यानों में आवश्यक संधारण कार्य।	21,49,710/-	UADD & NON SOR	16130/-	5000/-	90 दिन
4	E-Tendering No. 2026_UAD_525021_1	वार्ड क्रं 08 अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर पौधे एवं ट्री गार्ड लगाये जाने का कार्य।	2,00,000/-	NON SOR	4000/-	1000/-	30 दिन
5	E-Tendering No. 2026_UAD_500974_3	वार्ड क्रं 46 अंतर्गत शास्त्री नगर उद्यान में सौन्दर्यीकरण कार्य बाबत्।	1720911/-	02-08-2021 UADD ISSR NON SOR	12910/-	2000/-	90 दिन
6	E-Tendering No. 2026_UAD_495967_2	वार्ड क्रं 9 अंतर्गत छोटे गमले मय तुलसी पौधे क्रय करने बाबत्।	129000/-	UADD NON SOR	2580/-	1000/-	30 दिन
7	E-Tendering No. 2025_UAD_411208_9	वार्ड क्र. 09 अंतर्गत संत रविदास उद्यान को आदर्श उद्यान के रूप में विकसित	25,56,147/-	UADD NON SOR	50,000/-	5000/-	120 दिन

कार्यपालन यंत्री (उद्यान)
नगर पालिक निगम उज्जैन